गंगा दशहरा जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व

✍ डॉ. मोहन यादव

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म में नदियों को मात्र जल स्रोत नहीं, बल्कि देवी के रूप में पूजा जाता है. इनमें गंगा का स्थान सर्वोपरि है. गंगा दशहरा या गंगावतरण ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला प्रमुख त्यौहार है. इस दिन को गंगा दशहरा, गंगा दशमी या दशहरा के नाम से जाना जाता है. यह पर्व गंगा नदी के पृथ्वी पर अवतरण की स्मृति में मनाया जाता है. दरअसल, गंगा दशहरा जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व है.

गंगा यानी पवित्र-साफ जल के इसी महत्व को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण को एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का रूप दिया है. उन्होंने जल को विकास का प्रमुख पैरामीटर बनाते हुए हर घर जल और जल है तो कल है के संकल्प को साकार किया. उनके नेतृत्व में जल शक्ति मंत्रालय का गठन, जल जीवन मिशन, नमामी गंगे, अमृत सरोवर मिशन और जल शक्ति अभियान जैसी ऐतिहासिक पहल हुईं, जिन्होंने देश की जल सुरक्षा को नई दिशा दी है.

अमृत सरोवर योजना ने जल संरक्षण को नया आयाम दिया. प्रत्येक जिले में 75 जलाशयों के निर्माण या पुनरुद्धार का लक्ष्य रखा गया. अब तक 70 हजार से अधिक अमृत सरोवर तैयार हो चुके हैं. इनसे वर्षा जल संचयन, भूजल रिचार्ज और सिंचाई सुविधा बढ़ी है. यह मिशन आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा है और सामुदायिक भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है. नमामी गंगे परियोजना, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, नदी फ्रंट विकास और जैव विविधता संरक्षण के कार्य भी हो रहे हैं. इसी प्रकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाके तहत प्रति बूंद अधिक फसल का मंत्र दिया गया, जिसमें ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला. कैच द रेन अभियान ने वर्षा जल संचयन को जन आंदोलन बनाया. प्रधानमंत्री ने बार-बार कहा कि पानी बचाना स्वच्छ भारत मिशन की तरह सामूहिक दायित्व है. उनके मार्गदर्शन में लाखों जल संरचनाएं बनीं, चेकडैम, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार हुआ.

इन प्रयासों का परिणाम साफ दिखता है. भूजल रिचार्ज बढ़ा है, ओवर-एक्सप्लॉइटेड इकाइयों की संख्या घटी है और कई जिलों में जल संकट कम हुआ है. प्रधानमंत्री मोदी का विजन केवल बुनियादी ढांचा निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि जल संरक्षण को संस्कृति और आदत बनाने का है. वे बच्चों को वाटर वॉरियर्स बनाने और समाज को जिम्मेदार बनाने पर जोर देते हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण भारत की विकास यात्रा का अभिन्न अंग बन गया है. ये प्रयास न केवल वर्तमान की जरूरतें पूरी कर रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल-समृद्ध भारत का आधार तैयार कर रहे हैं. जल संरक्षण अब मात्र नीति नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बन चुका है.

मध्यप्रदेश भी, जिसे प्राकृतिक जल संसाधनों से समृद्ध माना जाता है, जल संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल कर रहा है. जल गंगा संवर्धन अभियान एक राज्य स्तरीय जन आंदोलन है. वर्ष 2025 में यह अभियान 19 मार्च से 30 जून तक चलाया गया. चालू वर्ष-2026 में भी यह अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है. इसका मुख्य उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन करना है, ताकि प्रदेश जल संकट से मुक्त हो सके .अभियान के तहत नदियों, तालाबों, कुओं, बावड़ियों, चेकडैम और अन्य जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, गहरीकरण, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है. नए जल स्रोतों का निर्माण, वर्षा जल संचयन, भूजल रिचार्ज और पुरानी जल संरचनाओं का पुनरुद्धार अभियान के प्रमुख स्तंभ हैं. प्रदेश में 10 हजार से अधिक चेकडैम और स्टॉपडैम के संधारण, हजारों तालाबों के गहरीकरण, नई जल संरचनाओं का निर्माण और लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत से बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं. ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, जनप्रतिनिधियों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है.

मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है. यहां की अर्थव्यवस्था और किसानों की समृद्धि जल पर निर्भर है. बढ़ती जनसंख्या, अनियमित वर्षा, भूजल स्तर में गिरावट और जल प्रदूषण ने जल संकट को गहरा दिया है. इस अभियान का महत्व इन्हीं चुनौतियों के समाधान में निहित है.

अभियान से वर्षा जल का अधिकतम संचयन होता है, जिससे सिंचाई सुविधा बढ़ती है. भूजल स्तर में वृद्धि से सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भी फसल उत्पादन संभव होता है. खेत तालाबों, रिज-टू-वैली मॉडल और जल संरक्षण संरचनाओं से किसानों की आय बढ़ रही है.

मध्यप्रदेश में प्राचीन बावड़ियां, तालाब और जल संरचनाएं सांस्कृतिक धरोहर हैं. उनका जीर्णोद्धार सांस्कृतिक गौरव बढ़ाता है और पर्यटन को बढ़ावा देता है.अभियान जनभागीदारी पर आधारित है. पानी चौपाल जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को कम पानी वाली फसलें, ड्रिप सिंचाई और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है. इससे जल संरक्षण की संस्कृति विकसित हो रही है. महिलाओं और युवाओं की भागीदारी से सामुदायिक जिम्मेदारी बढ़ रही है.

इस अभियान से मध्यप्रदेश जल संरक्षण में देश का अग्रणी राज्य बन रहा है. अमृत सरोवरों के जल क्षेत्र में भारी वृद्धि, नदियों का पुन:प्रवाह और लाखों जल संरचनाओं का निर्माण राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है.

यह अभियान केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प है.यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में यह जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने में सफल हो रहा है.यह मध्यप्रदेश के भविष्य की नींव है. यह हमें सिखाता है कि जल ही जीवन है और उसकी रक्षा हमारा दायित्व है.

यदि हम आज जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियां समृद्ध जल संसाधनों का उपयोग कर सकेंगी. प्रदेशवासियों को इस अभियान से जुड़कर जल संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए. स्वच्छ, समृद्ध और जल-सम्पन्न मध्यप्रदेश का सपना तभी साकार होगा जब हर नागरिक इसमें अपना योगदान देगा.

(लेखक - मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

हर वर्ग का कल्याण सरकार की प्राथमिकता है : मंत्री सारंग

▶ नरेला क्षेत्र में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

भोपाल, 24 मई. सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने रविवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 78, विश्वकर्मा नगर में 23 करोड़ से अधिक की लागत से होने वाली सीवेज परियोजना एवं अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन किया.

मंत्री सारंग ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार मध्यप्रदेश में विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रही है. हर वर्ग के कल्याण और हर क्षेत्र का समुचित विकास सरकार की प्राथमिकता है. सारंग ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल विकास कार्य करना नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को सुगम भी बनाना है. मंत्री सारंग ने कहा कि इस परियोजना से स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी, जलभराव एवं गंदगी की समस्या से राहत मिलेगी तथा नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्राप्त होगा. कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे.

वार्ड 78 स्थित विश्वकर्मा नगर में 23 करोड़ से अधिक की लागत से निर्माण होने वाली इस परियोजना के अंतर्गत 13 करोड़ रुपये की लागत से 42 किलोमीटर लंबा सीवर नेटवर्क बनाया जाएगा तथा 9 करोड़ रुपये की लागत से 8079 हाउस सीवर कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे, जिससे लगभग 35,306 नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा. परियोजना पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वच्छता, आधुनिक सीवेज व्यवस्था और सुगम नागरिक सुविधाएं प्राप्त होंगी.जनजीवन सुविधाजनक बनेगा.

बूथ सशक्तिकरण को लेकर बनी रणनीति

▶ भारतीय जनता पार्टी जिला भोपाल नगर की कामकाजी बैठक में की चर्चा

नवभारत न्यूज

भोपाल, 24 मई, भारतीय जनता पार्टी जिला भोपाल नगर की महत्वपूर्ण कामकाजी बैठक रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय स्थित मीडिया सेंटर में हुई.

बैठक में संगठनात्मक कार्यक्रमों, शक्ति केंद्र एवं बूथ समितियों की बैठकों तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. बैठक का शुभारंभ दीप

प्रज्वलन एवं महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया. बैठक में जिला अध्यक्ष रविंद्र यति ने प्रदेश नेतृत्व द्वारा निर्धारित आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए पर्यावरण एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सहित विभिन्न विषयों को लेकर समितियों का गठन करते हुए संयोजक, सहसंयोजक एवं सदस्यगणों की घोषणा की. जिला अध्यक्ष यति ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन बूथ आधारित संगठन है. आगामी कार्यक्रमों के माध्यम से प्रत्येक शक्ति केंद्र एवं बूथ को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने का कार्य किया जाएगा. जिला संगठन प्रभारी जसवंत सिंह हाडा ने कहा संगठन की मजबूती का आधार कार्यकर्ताओं की सक्रियता और बूथ स्तर की सशक्त संरचना है. हमें प्रत्येक कार्यकर्ता तक संवाद और संगठन को पहुंचाना है.

> भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यक्रम समाज एवं राष्ट्रहित को समर्पित होता है. आगामी अभियानों में सभी कार्यकर्ता पूर्ण समर्पण के साथ सहभागिता सुनिश्चित करें. बैठक में जिला महामंत्री चेतन भार्गव, मुकेश राय, प्रदीप शेखावत सहित जिला पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल महामंत्रीगण उपस्थित रहे.

कलेक्टर ने पीड़ित परिजनों को बंधाया ढांढस

रायसेन. कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने रविवार को ग्राम सागौर में पीड़ित परिजनों के घर पहुंचकर उन्हें ढांढस बंधाया. उन्होंने परिजनों से कहा कि दुख की घड़ी में शासन-प्रशासन उनके साथ है. परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने शीघ्रता से कार्यवाही की जा रही है. इस दौरान जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे. उल्लेखनीय है कि सागौर में तीन बालिकाओं की कुएं में डूबने से मृत्यु हो गई थी. कलेक्टर ने ग्राम सागौर में नल जल योजना का भी निरीक्षण करते हुए पीएचई अधिकारियों को निर्देश दिए कि नल जल योजना का सुचारू क्रियान्वयन किया जाए.

जनगणना कार्य का किया अवलोकन

▶ कोई भवन गणना से नहीं छूटे, स्पष्ट नंबरिंग की जाए

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 24 मई. जिला जनगणना अधिकारी के निर्देश अनुसार मास्टर ट्रेनर सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी एवं अन्य अधिकारियों ने नगर निगम क्षेत्र में जोन 2, 4 एवं जोन 5 में आने वाली एचएलबी का अवलोकन किया.

इस दौरान प्रगणकों एवं सुपरवाइजर द्वारा किए जा रहे कार्य के संबंध में जानकारी लेकर निर्देशित किया कि अपनी एचएलबी की चतुर्थ सीमाओं को

एक बार पुन: चेक कर लें कि कोई भवन गणना से छूटे नहीं. भवनों पर निर्देशानुसार स्पष्ट नंबरिंग की जाए. भवन की गणना के समय जो मकान बंद मिले हैं, उन मकानों पर पुन: एक बार जाकर देख ले यदि रहवासी आ गए हैं तो उनकी भी जानकारी प्राप्त करें.

पाइप लाइन फूटी, आधे रायसेन शहर की जल सप्लाई बाधित

▶ मरम्मत के बाद बिजली कटौती से भी परेशानी

नवभारत न्यूज

रायसेन, 24 मई. रायसेन शहर में चल रहे नाला निर्माण कार्य के दौरान बार-बार पानी की लाइन फूटने की समस्या सामने आ रही है.शनिवार देर शाम महामाया चौक पर पाइपलाइन फिर फूट गई, जिससे शहर की जलापूर्ति प्रभावित हो गई.सूचना मिलने पर नगर पालिका के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और रातभर मरम्मत कार्य कर लाइन को दुरुस्त किया.

मरम्मत के बाद रविवार सुबह जैसे ही शहर में पानी की आपूर्ति शुरू की गई, उसी दौरान बिजली विभाग के मेंटेनेंस कार्य के कारण विद्युत आपूर्ति बंद हो गई.इसके चलते आधे शहर में जलापूर्ति दोबारा बाधित हो गई, जिससे नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा.

जानकारी के अनुसार, पिछले चार दिनों में नाला निर्माण की खुदाई के दौरान कई बार पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो चुकी

है.नगर पालिका द्वारा खुदाई के लिए चिह्नित स्थान के बजाय ठेकेदार द्वारा दूसरी जगह खुदाई किए जाने के कारण जमीन के नीचे बिछी पाइपलाइन बार-बार टूट रही है. शहरवासियों को लगातार जल संकट का सामना करना पड़ रहा है. बार-बार पाइपलाइन टूटने से ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं. इस संबंध में बिजली विभाग ने बताया कि रविवार को 33 केवीए लाइन पर आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया गया.इसके चलते सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति बंद रखी गई, जिससे जल वितरण व्यवस्था भी प्रभावित हुई.

ध्रुपद-फ्लेमेंको के संगम से गूंजा 'अनहद नाद'

▶ स्टेट म्यूजियम में संगीत संध्या का आयोजन

निज संवाददाता

भोपाल, 24 मई. स्टेट म्यूजियम श्यामला हिल्स में आयोजित संगीत संध्या 'अनहद नाद' में ध्रुपद गायन और वाद्य संगम ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम में ध्रुपद गायिका सुरेखा कामले ने आलाप, जोड़, झाला और सरगम के माध्यम से शास्त्रीय संगीत की गहराई को प्रस्तुत किया.

चौताल में निबद्ध बंदिश 'मन में एक गूंज उठी' और डागर घराने की पारंपरिक बंदिश 'दोनों करतार तुम राज साज के' ने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया. सारंगी पर हनीफ हुसैन, पखावज पर जयवंत गायकवाड़, तबले पर मोहम्मद आसिफ और फ्लेमेंको गिटार पर संजीव श्री, तानपुरा पर मोहिनी और दिव्या ने संगत दी. भारतीय शास्त्रीय संगीत और फ्लेमेंको का यह प्रयोग श्रोताओं के लिए नया और आकर्षक अनुभव रहा. मुख्य अतिथि संस्कृति विभाग की उपसंचालक भारती राजपूत रहीं. आयोजन में डॉ. रंजीत और अमित वर्मा का विशेष सहयोग रहा.

कलाकारों से नवभारत की बातचीत

ध्रुपद ईश्वर की आराधना है

सुरेखा कामले ने बताया कि 'अनहद नाद' के माध्यम से ध्रुपद गायकी को सरल रूप में लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है. उनके अनुसार ध्रुपद केवल संगीत नहीं बल्कि साधना और ईश्वर की आराधना है. उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को इस परंपरा से जोड़ना जरूरी है.

नई पीढ़ी में बढ़ रही है रुचि

हनीफ हुसैन ने कहा कि सारंगी एक कठिन वाद्य है और इसे सीखने में वर्षों का अभ्यास करना पड़ता है. इसे सीखने नई पीढ़ी में फिर से रुचि बढ़ रही है.

नए संगीत को खुले मन से सुनें

संजीव श्री ने कहा कि फ्लेमेंको और भारतीय शास्त्रीय संगीत में कई समानताएं हैं. उन्होंने बताया कि इस मंच के जरिए दोनों विधाओं के बीच संवाद स्थापित करने की कोशिश की गई है. दर्शकों से उन्होंने नए संगीत को खुले मन से सुनने की अपील की.

छात्राओं को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

सिलवानी, 24 मई. पीएम श्री विद्यालय सिलवानी में कक्षा 10वीं और 12वीं की ब्यूटी एंड वेलनेस विषय की छात्राओं को व्यावसायिक शिक्षा के तहत व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है. प्रशिक्षण प्राचार्य सोनल नामदेव के मार्गदर्शन में चल रहा है. प्रशिक्षण शुभ ब्यूटी पार्लर में ऑन-जॉब ट्रेनिंग के रूप में कराया जा रहा है. प्रशिक्षण का उद्देश्य ब्यूटी और वेलनेस क्षेत्र के व्यावसायिक कौशल सिखाना है.

अमानक बीज बेचने वाले सक्रिय

राधेश्याम शर्मा

बैरसिया, 24 मई. अमानक और नकली बीज विक्रेता सक्रिय है. ख़ासकर बुवाई के समय घटिया बीज बेचने वालों की शिकायतें बढ़ जाती है. उधर कृषि विभाग बीज की जांच व नमूने लेकर पल्ला झाड़ लेता है.

यही वजह क्षेत्र मे अमानक बीज विक्रेता बढ़ते जा रहे है. ऐसे में कृषि विभाग को खास निगरानी रखने की जरूरत है. ताकि किसानों को अमानक बीज न बेचे जाएं. बैरसिया के एक नामचीन लाइसेंसी बीज विक्रेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमानक बीज बिक्रेताओं की कृषि विभाग से साठगांठ की होने की ठोस कार्यवाही नहीं होती. बैरसिया सहित नजीराबाद , गुनगा , रुनाहा , धमर्रा , सोहाया , ललरिया , डुंगरिया , हर्राखेड़ा आदि से सटे गांवों में लोग बगैर लाइसेंस के प्रतिष्ठानों पर अमानक सोयाबीन एव मक्का बीज बेच रहे हैं.

एसडीएम आशुतोष शर्मा ने कृषि विभाग को जांच उपरांत सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं. उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे बीज खरीदते समय बिल अवश्य लें. केवल प्रमाणित एव विश्वसनीय विक्रेताओं से ही बीज क्रय करें. ताकि फसल उत्पादन में किसी प्रकार की हानि न हो .

10 हजार की ठगी का शिकार हुआ किसान

▶ एटीएम लेकर भागे बदमाश, बाद में निकाल लिए पैसे

नवभारत न्यूज

बेगमगंज , 24 मई. बेगमगंज से लग विदिशा जिले के गांवों के लोग बाजार करने एवं अपनी फसल की उपज बेचने बेगमगंज आते हैं. रविवार को एक किसान बाजार करने आया और उसने पुराना बस स्टैंड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से 20 हजार निकलना चाहे.

सर्वर डाउन होने से एटीएम से पैसे निकलने में दिक्कत हुई. पीछे खड़े दो अनजान व्यक्तियों ने उन्हें बातों में उलझाया और एटीएम कार्ड निकालकर भाग गए. कुछ देर बाद किसान के खाते से 10 हजार रुपए निकलने का मैसेज आ गया. तब उन्हें ठगी का पता चला तो उन्होंने थाने पहुंचकर घटना की एफआईआर दर्ज कराई.ठगी के शिकार किसान देवेंद्र लोधी निवासी ग्यारसपुर उसने एटीएम से 20 हजार रुपए निकाल रहा था, शायद अधिक राशि होने से ट्रांजेक्शन नहीं हो सका.उसी समय दो अनजान व्यक्ति एटीएम कक्ष में आकर खड़े हो गए थे, जो सब प्रक्रिया देख रहे थे और उन्होंने देवेंद्र लोधी को बातों में उलझा लिया. मौका पाकर देवेंद्र लोधी का एटीएम कॉर्ड निकालकर उसके स्थान पर दूसरा एटीएम कॉर्ड लगा दिया और वहां से भाग गए.

करीब 10 मिनट बाद देवेंद्र लोधी के मोबाइल पर उसके खाते से 10 हजार रुपए निकलने का मैसेज आया. पुलिस ने मामला दर्जकर दोनों ठगों की तलाश के लिए सीसीटीवी कैमरों फुटेज खांगला कर ठगों की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है.

गणना | **प्रदेश व्यापी ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना हुई ऑनलाइन**

प्रदेशभर में 10 हजार 742 गिद्ध मिले, 1200 बढ़े

भोपाल, 24 मई. प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना-2026-27 के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन गणना 22 मई से 24 मई 2026 तक सूर्योदय से प्रात: 9 बजे तक प्रदेश के सभी 16 वृत्त, 9 टाईगर रिजर्व, वन विकास निगम के क्षेत्रों एवं अन्य संरक्षित क्षेत्रों में गिद्ध गणना का कार्य वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त स्वयंसेवकों के सहयोग से गिद्ध गणना ऑनलाइन ऐप के माध्यम से किया गया है.

जिससे आंकड़ों का संकलन शीघ्र हो पाया है. मध्यप्रदेश में प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना की शुरूआत वर्ष 2016 से की गई थी, जिसमें 7,028 गिद्धों का आंकलन किया गया था. विगत वर्ष 2025 में शीतकालीन एवं ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना की गई थी. इस वर्ष 2026 में भी शीतकालीन गणना की गई है.

इस वर्ष ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना ऐप के माध्यम से ऑनलाइन की गई. गणना का कार्य विभिन्न वनमंडलों एवं टाईगर रिजर्व/राष्ट्रीय उद्यानों में सभी स्थानों पर कार्य किया गया. गिद्ध गणना में लगभग 10 हजार 742 गिद्ध पाये गये, जिसमें 9394 वयस्क एवं 1348 किशोर गिद्ध पाये गये. इस वर्ष 10 हजार 742 गिद्ध की संख्या पिछले वर्ष की गिद्ध संख्या 9509 से लगभग 1200 संख्या में ज्यादा है, जो कि बेहतर संरक्षण को इंगित करती है.

गिद्धों की गणना के लिये 'ऑनलाइन ऐप' तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से गिद्धों की गणना की गई. 'ऐप' के माध्यम से गणना किये जाने पर आंकड़ों के संकलन एवं रिपोर्ट तुरंत लाइव प्राप्त होने से कार्य क्षमता में वृद्धि हुई है. ऐप के माध्यम से गणना किये जाने के लिये मास्टर ट्रेनर्स, अशासकीय संस्थाओं एवं अधिकारियों/कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया था.

गणना मे गणनाकर्मी एवं स्वयंसेवक सक्रिय

गिद्धों की गणना के लिये गणनाकर्मी एवं स्वयंसेवक आदि सुबह सूर्योदय के तत्काल बाद प्रथम चरण में चयनित गिद्धों के घोंसलों के समीप पहुंच जाते थे। उन्होंने घोंसलों के आसपास बैठे गिद्धों एवं उनके नवजातों की गणना कर ऐप में उसकी जानकारी दर्ज की। गणना में केवल आवास/विश्राम स्थलों पर बैठे हुए गिद्धों को ही गणना में लिया गया। उड़ते हुए गिद्धों को गणना में नहीं लिया गया। इस वर्ष वन विभाग के कर्मचारियों के साथ पूरे प्रदेश के विभिन्न स्थानों में पक्षी विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, छात्र एवं स्थानीय नागरिकों ने इस गणना में भाग लिया। कंट्रोल रूम वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में बनाया जाकर गणना के बाद डाटा संकलन का कार्य किया जा रहा है।

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति के लिए) नियम 8-(1)

चूँकि, अधोहस्ताक्षरी, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत IIFL होम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में इंडिया इन्फोलाइन हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से विख्यात) (IIFL-HFL) के प्राधिकृत अधिकारी हैं और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कंपनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे उल्लिखित उधारकर्ता/सह-उधारकर्ताओं को राशि चुकाने के लिए एक माँग नोटिस जारी किया गया था, अतः उधारकर्ता और आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। उधारकर्ता विशेष रूप से और आम जनता को एतद्वारा संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन IIFL HFL के प्रभार के अधीन होगा, जैसा कि नीचे उल्लिखित राशि पर ब्याज सहित लगाया जाएगा। उधारकर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है। यदि उधारकर्ता बिक्री या हस्तांतरण के लिए निर्धारित तिथि से पहले किसी भी समय "IIFL HFL" के बकाया और सभी लागतों, प्रभारों और व्ययों का भुगतान कर देता है, तो सुरक्षित संपत्तियां नहीं बेची जाएंगी।

उधारकर्ता का नाम /सह-उधारकर्ता	सुरक्षित संपत्ति का विवरण (अचल संपत्ति)	कुल बकाया बकाया राशि (रु.)	मांग सूचना की तिथि	कब्जे की तिथि
श्री देवीराम अहिरवार श्री भोपत अहिरवार श्रीमती कृष्णा अहिरवार कृषि ट्रैक्टर इनोकैम (प्रॉस्पेक्ट नं. IL10536692)	खसरा नंबर 71 का वह सारा टुकड़ा-टुकड़ा, पटवारी हल्का नंबर 47, ग्राम खिरिया थानसिंह, ग्राम खिरिया थानसिंह, बीना, मैन रोड, सागर, मध्य प्रदेश, भारत, 470117 एरिया एडमिनिस्ट्रेशन (वर्गफिट): संपत्ति का प्रकार: भूमिक्षेत्र, बिल्टअप एरिया संपत्ति क्षेत्र: 600.00, 500.00	रू. 327790/- तीन लाख सत्ताईस हजार सात सौ नब्बे मात्र	09-01-2026	20-05-2026

अधिक जानकारी के लिए, शाखा कार्यालय: 183, प्रथम मंजिल, सोनी भवन, एमपी नगर, जोन -II भोपाल या कॉर्पोरेट कार्यालय: प्लॉट नंबर 98, फेज-IV, उद्योग विहार, गुरुग्राम, हरियाणा में अधिकृत अधिकारी से संपर्क करें।

स्थान: भोपाल
दिनांक: 25.05.2026

एसडी/- प्राधिकृत अधिकारी,
आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड के लिए।